प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0 लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद–गोरखपुर।

पत्र सं0: एस0एस0 विजिट / जी0के0पी0 / डी0ई0ओ0 / 2018–19/2617 दिनांक 24-06-19

विषय– दिनांक 14 से 18 मई' 2019 तक राज्य स्तरीय दल द्वारा किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की आख्या प्रेषण।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल द्वारा दिनांक 14.05.2019 से दिनांक 18.05.2019 तक आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

अनुरोध है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुए 01 सप्ताह में अनुपालन आख्या प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

संलग्नः यथोक्त

भवदीय,

(पंकज कुमार)
मिशन निदेशक

पत्र सं0: एस0एस0 विजिट / जी0के0पी0 / डी0ई0ओ0 / 2018–19 दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0।
2. जिलाधिकारी / अध्यक्ष, जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद गोरखपुर।
3. समस्त महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0 लखनऊ को इस आशय से कि अपने कार्यक्रम से सम्बन्धित बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही हेतु जनपद को अपने स्तर से निर्देशित करने का कष्ट करें।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गोरखपुर, मण्डल गोरखपुर।
5. मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, एन0एच0एम0, गोरखपुर।
6. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद, गोरखपुर को इस निर्देश के साथ कि पत्र के साथ संलग्न आख्या का अनुपालन करा कर ससमय अनुपालन आख्या इस कार्यालय को प्रेषित करना सुनिश्चित करें।

(डा0 अश्विनी कुमार)
महाप्रबंधक, राष्ट्रीय कार्यक्रम

जनपद–गोरखपुर

भ्रमण अवधि दिनांक – : 14.05.2019 से 17.05.2019

भ्रमण टीम के सदस्य –:

1. डा0 निशान्त गौरव भारद्वाज, उपमहाप्रबन्धक, एन0पी0–सी0डी0, एन0एच0एम0।
2. श्री अभिषेक यादव, टेक्निकल कन्सलटेन्ट, एन0पी0–सी0डी0, एन0एच0एम0।
3. श्री संजय कुमार, प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, एन0पी0–सी0डी0, एन0एच0एम0।

जनपद गोरखपुर भ्रमण का संक्षेप विवरण। –:

- जनसुनवाई प्रकरण संख्या–15188180011208 एवं 16188170161887 के निस्ताण हेतु अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, गोरखपुर, मण्डल गोरखपुर के साथ बैठक।
- भ्रमण पूर्व बैठक (मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, गोरखपुर)
- जिला महिला चिकित्सालय, गोरखपुर। (भ्रमण)
- अरबन पी0एच0सी0 तारामण्डल, गोरखपुर। (भ्रमण)
- अरबन पी0एच0सी0 बसंतपुर, गोरखपुर। (भ्रमण)
- अरबन स्वास्थ्य पोषण दिवस, गोरखपुर। (भ्रमण)
- पी0एच0सी0, कौड़ीराम, गोरखपुर। (भ्रमण)
- पी0एच0सी0 गगहा, गोरखपुर। (भ्रमण)
- डी–ब्रीफिंग बैठक (मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय कक्ष।)
- प्रधानाचार्य बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज, गोरखपुर के साथ एन0पी0–सी0डी0 के सम्बन्धित विषयों पर चर्चा (प्रधानाचार्य बी0आर0डी0 मेडिकल कालेज, गोरखपुर कार्यालय कक्ष)

भ्रमण आख्या का विस्तृत विवरण (निर्धारित प्रारूप पर)

क0 सं0	भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1.	जनसुनवाई प्रकरण संख्या–संख्या–15188180011208 एवं 16188170161887 पर विचार विमर्श	ससमय आख्या उलब्ध कराये जाने हेतु आवश्यक तथ्यों से अपर निदेशक महोदय को अवगत कराया गया।	रिर्पोट लिखे जाने तक निस्तारण आख्या इस कार्यालय में प्राप्त।
2.	भ्रमण पूर्व बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के साथ चर्चा	पूर्व भ्रमण आख्या पर अनुपालन आख्या अप्राप्त है जिस पर ससमय अनुपालन आख्या उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / डी0पी0एम0

जिला महिला चिकित्सालय,

कसं	मुख्य भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1	चिकित्सालय के शौचालय में सफाई की स्थिति ठीक नही।	चिकित्सालय प्रबन्धक को व्ययस्थायें सुदृड़ किये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	प्रबन्धक जिला चिकित्सालय (महिला) / जनपद स्तर से तत्काल
2	लेबर रूम का आटोक्लेव कार्य नही कर रहा हैं। स्टॉफ नर्स के द्वारा बताया गया, अनुबन्धित संस्था साईरिक्स को सूचित किया गया परन्तु अभी तक ठीक नही किया गया।	साईरिक्त प्रतिनिधि से बात कर तत्काल सभी खराब उपकरण क्रियाशील कर सम्बन्धित को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।	अधीक्षक जिला चिकित्सालय (महिला) / चिकित्सालय प्रबन्धक
कसं	मुख्य भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर

3	एस0एन0सी0यू0 की ई0डी0एल0 में वर्णित Aminophylline, Phenoburbitone, Dextrose 25 % दवाएं उपलब्ध नही है व Diazepam Injection माह मई में ही तिथी समाप्त हो रही थी।	Diazepam Injection को तुरन्त हटवाया गया एवं इडेन्ट हेतु स्टॉफ नर्स को निर्देशित किया गया। आपूर्ती हेतु अधीक्षक जिला चिकित्सालय (महिला) एवं चिकित्सालय प्रबन्धक को अवगत कराया गया।	अधीक्षक जिला चिकित्सालय (महिला) / चिकित्सालय प्रबन्धक
4	एस0एन0सी0यू0 चिकित्सक द्वारा अवगत कराया गया। कि कुछ अति अवश्यक जाँच रिर्पोट में अधिक समय लगता है जिसके कारण सही उपचार में कठिनाई उत्पन्न होती है। जैसे Electrolyte, Bilrubin इत्यादि। आक्सीजन पाईप लाईन सप्लाई क्रियाशील नहीं थी।	अधीक्षक जिला चिकित्सालय (महिला) द्वारा अगवत कराया गया है कि एक अतिरिक्त आटो एनालाईजर उपलब्ध कराया जाये तो ये समास्या सुलझाई जा सकती है.	अधिक्षक जिला चिकित्सालय इस हेतु राज्य को पत्र प्रेषित करने का कष्ट करें।
5	ओपीडी में दवा वितरण के स्थान पर गर्भवती महिला लाभार्थी द्वारा अवगत कराया गया कि एक बार में केवल 10 आयरन टेबलेट, 05 केल्सियम टेबलेट ही दी जा रही है।	अधीक्षक जिला चिकित्सालय (महिला) के द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त आपूर्ति अवश्यकतानुरूप नही है। जिस कारण औषधि वितरण में कठिनाई हो रही है। सी0एम0एस0डी0 स्टोर से दवाएं प्राप्त करने हेतु सुझाव दिया गया।	अधीक्षक जिला चिकित्सालय (महिला)
6	अस्पताल के टीकाकरण सत्र में ग्रेड 3 ओ0पी0वी0 वेक्सीन इस्तेमाल की जा रही थी।	इस सम्बन्ध में स्टॉफ नर्स को वेक्सीन डिस्कार्ड करने हेतु निर्देशित किया गया।	अधीक्षक जिला चिकित्सालय (महिला) / ए0एन0एम0
7	प्रसवोत्तर केन्द्र पर वेट मशीन सही वजन नहीं बता रही थी।	निरीक्षण करने पर मशीन की टयूनिंग सहीं नहीं थी, जिसको सहीं कराया गया।	चिकित्सालय प्रबन्धक / ए0एन0एम0
8	के0एम0सी0 यूनिट में स्टॉफ नर्स के द्वारा माताओं की काउसलिंग सही प्रकार से नहीं की जा रही थी।	मैट्रन से अनुरोध की गया की स्टॉफ नर्सों के कार्यो का समय–समय पर मूल्याकन करते रहें।	मैट्रन / मुख्य चिकित्सा अधिक्षक

अरबन पी0एच0सी0 तारामण्डल, गोरखपुर।

क0 सं0	मुख्य भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1	मुख्य मार्ग पर चिकित्सालय साइन बोर्ड नही लगा है।	साईन बोर्ड लगाने हेतु अरबन कोर्डिनेटर को निर्देशित किया गया।	अरबरन कोर्डिनेटर
2	चिकित्सालय में एम0बी0बी0एस0 डा0 के त्याग पत्र देने के उपरान्त आयुष डा0 ममता साही को तैनात किया गया है, डा0 ममता के द्वारा चिकित्सालय का संचालन ठीक प्रकार से नहीं किया जा रहा है।	इस सम्बन्ध मे डा0 ममता साही ने अवगत कराया एक माह पूर्व स्वरथ्य केन्द्र को नए भवन में पुनः स्थापित किया गया है। व्यवस्थाए शीघ्र ठीक कर ली जाएगी।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी

3	फर्मासिस्ट द्वारा अवगत कराया गया है, कि चिकित्सालय में आवश्यक दवाएं उपलब्ध नही है। जैसे–Pemaprazole, Injectable Antibiotic, Omeprazole, Renitidine 150mg इत्यादि।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एन0यू0एच0एम0 / अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्टोर / अरबरन कोर्डिनेटर, से अनुरोध किया गया कि आवश्यक दवाओं के उपलब्ध सुनिश्चित करायें।	अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एन0यू0एच0एम0 / अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्टोर / अरबरन कोर्डिनेटर
4	आक्सीजन सिलेन्डर से रेगुलेटर अटैच नही था। माइक्रोस्कोप खराब था।, लैब में जॉच नही हो रही थी।	रेगुलेटर अटैच कर कियाशील करें।	चिकित्सा अधिकारी / अरबन कोर्डिनेटर
5	चिकित्सालय के 04 बी0पी0 इन्ट्रूमेंट खराब है। जिसकी सूचना अनुबन्धित संस्था साईरिक्स को नही दी गयी है।	तत्काल साईरिक्त प्रतिनिधि को सूचित करने हेतु सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधिकारी / /अरबरन कोर्डिनेटर
6	चिकित्सालय अनुबन्धित संस्था साईरिक्स को सूचित किया गया परन्तु अभी तक ठीक नही किया गया ।	साईरिक्त प्रतिनिधि से बात कर तत्काल सभी खराब उपकरण तत्काल कियाशील कर सम्बन्धित को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधिकारी / /अरबरन कोर्डिनेटर
7	चिकित्सालय में ए0एन0एम0 वेक्सीन के साथ उपस्थित है। परन्तु विधिवत यू0एच0एन0डी0 का आयोजन नही किया जा रहा है। न ही कोई तैयारी की गयी। • ड्यू लिस्ट उपलब्ध नही। बेनर उपलब्ध नही। • कोई लाभार्थी लाभान्वित नही किया गया। • गर्भवती महिलाओं का कोई रिकार्ड उपलब्ध नही।	ए0एन0एम0 एवं अरबन कोर्डिनेटर को चिकित्सालय के क्षेत्र में चिकित्सालय का प्रचार प्रसार कराये जाने के साथ लाभार्थिया को लाईन लिस्ट करने हेतु सुझाव दिया गया । जिससे क्षेत्र में उपलब्ध लाभार्थियों को चिकित्सालय तक लाकर लाभन्वित किया जा सके।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी / चिकित्सा अधिकारी अरबरन कोर्डिनेटर

<u>यू0एच0एन0डी0 सत्र बसंन्तपुर, गोरखपुर।</u>

क0 सं0	भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1.	सत्र आंगनबाड़ी केन्द्र पर आयोजित किया गया है। सत्र का बेनर नही लगाया गया है।	ए0एन0एम0, ए0एन0एम0 सुपरवाईजर एवं अरबन कोर्डिनेटर को नियमानुसार यू0एच0एन0डी0 सत्र आयोजित किये जान हेतु सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बंसतपुर, गोरखपुर
2.	बेबी बेइंग मशीन, Amoxicillon syrup, Iron syrup, MUAC Tape उपलब्ध नही है।		प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बंसतपुर, गोरखपुर
3.	रिकार्ड मे 05 गर्भवती महिलाओं का नाम दर्ज है। परन्तु उनमें एच0आर0पी0 महिलाओं की ट्रेकिंग नही करी जा रही है। बी0पी0, एच0बी0, वजन का कोई रिकार्ड उपलब्ध नही।		प्रभारी चिकित्सा अधिकारी बंसतपुर, गोरखपुर

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–कौंड़ीराम।

क0 सं0	भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1.	चिकित्सालय में स्थापित ई0टी0सी0 में स्टॉफ नर्स के तीन पद रिक्त है।	डिवीजनल पी0एम0 द्वारा ये आश्वासन दिया गया कि किसी अन्य चिकित्सालय से स्टाफनर्स स्थान्तरित कर इस इ0टी0सी0 को कियाशील किया जायेगा।	मुख्य चिकित्सा अधिकिारी / अधीक्षक / डिवीजनल पी0एम0
2.	चिकित्सालय में साफ–सफाई की उचित व्यवस्था नही थी।	डिवीजनल पी0एम0 द्वारा ये आश्वासन दिया गया कि किसी अतिरिक्त सफाई कर्मी उपलब्ध कराये जायेंगे।	अधीक्षक / डिवीजनल पी0एम0
3.	राजकीय होमियोपेथिक फार्मासिस्ट द्वारा बिना चिकित्सक के सस्तुति के दवा का वितरण किया जा रहा	डी0एच0ओ0 का सूचित करायैं	चिकित्सा अधिक्षक
4	संकलित स्पुटम की जाँच के उपरान्त डिस्कार्ड बिलीचिंग पाउडर के घोल में किया जा रहा ळें	5 % Phenolic solutionमें नियमानुसार किया जाना है।	चिकित्सा अधिक्षक / जिला क्षय रोग अधिकारी
5	मलेरिया जाँच के पी0एफ0 (Plasmodiam falciparum) का विवरण रजिस्टर में दर्ज नही किया जा रहा है। स्लाईडों का रखरखाव ठीक प्रकार से नही किया जा रहा है।	(Plasmodiam vivex) के साथ (Plasmodiam falciparum) का विवरण रजिस्टर में दर्ज करें।	चिकित्सा अधिक्षक
6	टी0बी0 मरीजों की निःक्षय आई0डी का नम्बर रजिस्टर में नही भरा जा रहा हैं।	निःक्षय आई0डी रजिस्टर में भरना सुनिश्चित करें।	चिकित्सा अधिक्षक
7	टी0बी0 मरीजों की जाँच पर्याप्त संख्या में नही की जा रही है। (2–3 % of total adult OPD lode)	प्रभारी चिकित्साधिकारी को Total adult OPD का 2–3 प्रतिशत मरीजों में टी0बी0 की जांच के लिए रेंफर किये जाने हेतु अनुरोध किया गया।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / जिला क्षय अधिकारी
8	एस0टी0एल0एस0 के द्वारा ओ0एस0ई0 (On Spot Evaluation report) का फीडबैक एल0टी0 को नही दिया जा रहा है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु कहा गया ।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / जिला क्षय अधिकारी
9	मरीज वार दवा के बाक्स नही बनाये गये है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी को इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु कहा गया	प्रभारी चिकित्साधिकारी / जिला क्षय अधिकारी
10	टी0बी0 उपचार कार्ड की सभी रिक्तियाँ नही भरी जा रहीं है। होम विजिट एच0आई0वी0 की स्थिति, मधुमेह का विवरण दर्ज नही है।	टी0बी0 उपचार कार्ड की समस्त प्रवृविष्टयों को अंकित करने एवं अन्य विवरण भरे जाने हेतु कहां गया ।	प्रभारी चिकित्साधिकारी / जिला क्षय अधिकारी
11	बी0सी0पी0एम0 के कक्ष के बाहर वेक्सीन करियर में	प्रभारी चिकित्साधिकारी को इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही किये	प्रभारी चिकित्साधिकारी

	टी0टी0 वेक्सीन खराब हो रहा है और प्रयोग की गई निडिल और सिरिंज राहदारी में फैले हुए है।	जाने हेतु कहा गया ।	
12	बी0सी0जी0 जीरो डोस बच्चे को नही दिया जा रहा है। दिनांक 14.05.2019 में 06 प्रसव हुए परन्तु किसी भी बच्चे को जीरो डोस नही दिया गया है।	अनिवार्य रूप से बी0सी0जी0 जीरो डोस समस्त नवजात शिशु को दिये जाने हेतु प्रभारी चिकित्साधिकारी से अनुरोध किया गया है।	प्रभारी चिकित्साधिकारी
13	चिकित्सालय में भर्ती माताओं को केवल 1 गिलास दूध और ब्रेड दिया जा रहा है।	मेनू के अनुसार डाईट उपलब्ध करने का कष्ट करें।	प्रभारी चिकित्साधिकारी

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, गगहा।

क0 सं0	भ्रमण बिन्दु	सुधारात्मक कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर
1.	मिनी पी0आई0सी0यू0 में निर्धारित साप्ताहिक रोस्टर के अनुसार समस्त रंगों की बेड शीट उपलब्ध नही थी।	रोस्टर के अनुसार बेड शीट उपलब्ध करायें। मरम्मत कराने हेतु चिकित्सा अधीक्षक से अनुबन्धित कम्पनी साइरिक्स को सम्बंधित को सूचित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
2.	Defibrillator कियाशील नही है। मरम्मत कराने हेतु सम्बंधित को सूचित किया गया है।		चिकित्सा अधीक्षक
3.	ए0बी0जी0 मशीन कार्य नही कर रही है। इसका कैसेट एक्सपायर हो गया है।		चिकित्सा अधीक्षक
4	स्टाफ द्वारा अवगत कराया गया है कि मिनी पीकू में भर्ती मरीजों की पैथोलॉजी परीक्षण रिपोर्ट आने में समय लगता है। 11.05.2019 की रिपोर्ट भ्रमण के समय तक आप्राप्त है।	चिकित्सा अधीक्षक से अनुरोध किया गया है कि इस सबंधं में आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।	चिकित्सा अधीक्षक
5	सेन्ट्रल आर्क्सीजन पाईपलाईन कियाशील थी। परन्तु सेन्ट्रल वेक्यूम पाईपलाईन कार्य यूनिट कियाशील नही है।	चिकित्सा अधीक्षक से अनुरोध किया गया है कि इस सबंधं में आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।	चिकित्सा अधीक्षक
4	आयुष्मान भारत के अर्न्तगत किये भर्ती किये गये मरीजों की संख्या कम है।भ्रमण की अवधी तक रू0 18000 की धनरशि क्लेम किया गया है, जैसा की आयुष्मान मित्र द्वारा अवगत कराया गया।	चिकित्सा अधीक्षक एवं आयुष्मान मित्र के साथ बैठक कर क्लेम को बढाने हेतु आवश्यक सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / जनपद आयुष्मान भारत कॉडिनेटर
5	एस0टी0एस0 / एस0टी0एल0एस0 द्वारा आर0एन0टी0सी0पी0च कार्यक्रम की प्रगति सम्बन्धी सूचना एम0ओ0आई0 सी0 के साथ नियमित रूप से सांझा नही की जा रही है।	मौके पर एस0टी0एस0 को चिकित्सा अधीक्षक को इस संबंध में अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / जिला क्षय रोग अधिकारी

वित्तीय समीक्षा एवं डी ब्रीफिंग बैठक, सी0एम0ओ0 कार्यालय कक्ष।

- सी0सी0यू0 की स्थापना जिला चिकित्सालय में होना है परन्तु वैन्टिलेटर की आपूर्ती मेडिकल कार्पोरेशन द्वारा अभी प्राप्त न होने के कारण कियाशील नही हो पा रहा है।

- आयोडीन डिफिसिएन्सी कार्यक्रम के अर्न्तगत धनराशि व्यय नही हो पायी हैं।मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है। कि दिशा–निर्देश उपलब्ध नही है।

- जनपद में लगभग सभी चिकित्सालयों में कोई न कोई उपकरण खराब है परन्तु ए0एम0सी0 कम्पनी साइरक्स द्वारा समय से प्रभावी कार्यवाही नही की जा रही है। राज्य स्तरीय टीम द्वारा साइरक्स प्रतिनिधि को अनुबन्ध की शर्तो की प्रतिलिपि के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराने, जनपद के सभी उपकरणों की मैपिंग कराने, खराब उपकरणों की प्राप्त शिकायत उनकी निपटान का पूर्ण विवरण भरने हेतु रजिस्टर बनाने तथा समय समय पर सक्षम अधिकारी से रजिस्टर की जांच कराने तथा माह के अन्त में पूरे माह की रिर्पोट से मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया।

- आयुष्मान भारत जिला कोर्ड्डिनेटर को जनपद में अधिक से अधिक मरीजों को योजना का लाभ दिलाने हेतु स्पष्ट एवं प्रभावी प्रयास करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्क्रम में राज्य स्तरीय दल द्वारा ये सुझाव दिया गया कि आयुष्मान भारत के ट्रीटमेंट पेकेजस की जानकारी जिले के सभी चिकित्सालयों के सभी चिकित्सा अधिकारियों को उनके अस्पताल में उपलब्ध (सेवाओं) सुविधाओं के क्रम में बना कर उपलब्ध करायें। जिससे चिकित्सा अधिकारियों को ये जानकारी हो सके कि वो कौन सा 'ट्रीटमेट पेकेज' हैं, जिसकी सुविधा वो आमतौर पर अपने चिकित्सालय में नियमित रूप से देते है। जिससे प्रतिदिन लाभ पाने वाले लाभार्थियों में से आयुष्मान भारत के लाभार्थियो की पहचान कर उनके ट्रीटमेंट को आयुष्मान भारत के अर्न्तगत बुक करके सरकार की महात्वाकांक्षी योजना में अपेक्षित लक्ष्य प्राप्त किया जा सकें।

- डी0आई0सी0कॉडिनेटर द्वारा अवगत कराया गया कि कार्यक्रम की मॉनिटरिग भ्रमण हेतु टी0ए0 डी0ए0 के भुगतान के लिए प्रथक से बजट का कोई प्रवधान नहीं है। इस सम्बन्ध में सी0एमच0ओ0, गोरखपुर ने निर्देशित किया कि जिला स्तरीय भ्रमण दल से समन्वय स्थापित कर भ्रमण करना सुनिश्चित करें।

- समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जनपदीय अधिकारियों से अनुरोध किया गया कि अपने कार्यक्रम में किये जाने वाले भ्रमण का एडवासं टूर प्रोग्राम सक्षम अधिकारी से स्वीकृत कराकर एवं भ्रमण आख्या मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रेषित करें। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक से अनुरोध किया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जनपदीय अधिकारियो द्वारा जिले में किये गये भ्रमण से महाप्रबन्धक राष्ट्रीय कार्यक्रम को भी अवगत करायें।

14.6.19	14.6.19	14/06/19
(श्री संजय कुमार) ,	(अभिषेक यादव),	(डा0 निशान्त गौरव भारद्वाज)
प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर, राष्ट्रीय कार्यक्रम, संक्रामक रोग।	टेक्निकल कन्सलटेन्ट, राष्ट्रीय कार्यक्रम, संक्रामक रोग।	उपमहाप्रबन्धक, राष्ट्रीय कार्यक्रम, संक्रामक रोग।